भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 513

(दिनांक 23.07.2025 को उत्तर देने के लिए)

दूरदर्शन फ्री डिश सेवा का विस्तार

513. श्री भोजराज नागः
श्री आलोक शर्माः
डॉ. भोला सिंहः
सुश्री कंगना रनौतः
श्री खगेन मुर्मुः
श्री भर्तृहरि महताबः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल के वर्षों में पंजीकृत प्रकाशनों और निजी उपग्रह टीवी चैनलों की संख्या किस प्रकार बढ़ी है; और

(ख) विशेषकर हिमाचल प्रदेश के मण्डी और ग्रामीण या दूरस्थ क्षेत्रों में दूरदर्शन फ्री डिश, डीटीएच सेवाओं और आकाशवाणी के प्रसारण क्षेत्र में विस्तार से संबंधित ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) और (ख): भारत में एक जीवंत प्रेस और मीडिया इकोसिस्टम है जिसमें हाल के वर्षों में बढ़ोतरी हुई है, जो निम्नलिखित है:

- भारत के प्रेस महापंजीयक के पास पंजीकृत प्रकाशनों की संख्या वर्ष 2014-15 में 1.05 लाख से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 1.55 लाख हो गई है।
- प्राइवेट सैटेलाइट टीवी चैनलों की संख्या भी वर्ष 2014-15 में 821 से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 908 हो गई है।

आज की तारीख तक, डीडी फ्री डिश पर 92 प्राइवेट चैनल और 50 दूरदर्शन चैनल उपलब्ध हैं। प्राइवेट चैनल और डीडी चैनल, दोनों विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में संचालित होते हैं जिससे देशभर में दर्शकों तक व्यापक पहुँच सुनिश्चित होती है।

देश भर में प्रसार भारती के नेटवर्क का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है जिसे प्रसारण अवसंरचना एवं नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम 2021-26 के तहत किया जाता है।

इस स्कीम के तहत, हिमाचल प्रदेश में तीन ट्रांसमीटरों हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है। इनमें मंडी में 5 किलोवाट का एक ट्रांसमीटर तथा चंबा और धरमपुर, प्रत्येक में 1 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर शामिल हैं।

*****